

## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2023)

दिनांक : 20.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा

पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक : 100

### महात्मा महाप्रज्ञ-50

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

13

- (क) आचार्य महाप्रज्ञ जी ने अपना संरक्षक कौन से सन्त को बताया?
- (ख) आचार्य महाप्रज्ञ जी के निकट के कार्यकर्ता कौन-कौन थे?
- (ग) आचार्य महाप्रज्ञ का उत्तराधिकारी के रूप में आचार्य तुलसी के साथ सम्बन्ध कितने वर्ष तक रहा?
- (घ) आचारांग भाष्य के लिए विद्यानन्द जी ने क्या कहा?
- (ङ) 'अहिंसा समवाय' यह उपक्रम कब और कहां प्रारम्भ हुआ?
- (च) आचार्य महाप्रज्ञजी ने अनेकान्त के चार महत्त्वपूर्ण अंग कौन से बताये?
- (छ) आचार्य महाप्रज्ञ जी को 'युगप्रधान पद' देने की घोषणा किसने और कहां की?
- (ज) चाड़वास मर्यादा महोत्सव के पश्चात् गुरुदेव तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ का मधुर मिलन कहां हुआ?
- (झ) आध्यात्मिक विकास के पांच बिन्दु लिखें।
- (ञ) दूसरों के व्यक्तित्व निर्माण का महत्त्वपूर्ण घटक क्या है?
- (ट) प्रबुद्ध विद्यार्थी साधु-साधवियों का अध्ययन किसके सान्निध्य व निर्देधन में कहां चला?
- (ठ) वैज्ञानिक श्री राजा रमन्ना और महाप्रज्ञजी की चर्चा किस विषय पर हुई?
- (ड) महाप्रज्ञ जी ने संबोधि ग्रन्थ में कुल कितने अध्यायों का निर्माण किया?
- (ढ) महाप्रज्ञ जी ने उत्तराध्ययन सूत्र कितने दिनों में सीख लिया?
- (ण) श्री महाप्रज्ञ के संसार पक्षीय परिवार में कौन से देवता की मान्यता है?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए-

10

- (क) बालक नथमल को गुस्सा आता तब वे क्या करते थे?
- (ख) 'शासन स्तम्भ' मुनि श्री कुन्दनमल जी की क्या-क्या विशेषताएं थीं?
- (ग) चौदह वर्ष की अवस्था में श्री महाप्रज्ञ जी ने कौन से संकल्प किये?
- (घ) महाप्रज्ञ जी की श्वास की समस्या कैसे समाहित हुई?
- (ङ) महाप्रज्ञ जी की विगय-वर्जन बख्शीश कैसे हुई?

- प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए— 12
- (क) 'हिन्दी के प्रथम लेखक' पर टिप्पणी लिखें।  
(ख) नवमनोनीत युवाचार्य जी का स्वतंत्र दिल्ली प्रवास पर प्रकाश डालें।  
(ग) 'मेरे अन्तर मन के उद्गार' पत्र में गणाधिपति गुरुदेव तुलसी ने महाप्रज्ञजी को क्या लिखा?  
(घ) अहिंसा-यात्रा का प्रथम पावस प्रवास पर प्रकाश डालें।

- प्र. 4 आचार्य श्री महाप्रज्ञ के देवलोक गमन का वर्णन करें। 15

### अथवा

महाप्रज्ञजी के वैराग्य से लेकर दीक्षोत्सव पर प्रकाश डालें।

### आचार्य महाश्रमण-30

- प्र. 5 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए— 7
- (क) आचार्य महाश्रमण जी के पदाभिषेक के समय साधु-साध्वियों ने उनकी वर्धापन में कौन सा गीत गाया?  
(ख) आचार्य महाप्रज्ञ जी का देहावसान कितने बजे हुआ?  
(ग) श्रीमती सोनिया गांधी के प्रतिनिधि के रूप में किसने मंगल-भावनाएं प्रेषित की?  
(घ) आचार्य महाप्रज्ञ के अनुसार धर्मसंघ में सबसे अधिक आज्ञाकारी कौन हैं?  
(ङ) अणुव्रत-प्रेक्षा यात्रा कितने समय तक चली, उसे सम्पन्न कर युवाचार्य महाश्रमण ने आचार्य श्री के दर्शन कहाँ किये?  
(च) 'साधु कैसा हो?' इस प्रश्न का समाधान किसने व क्या दिया?  
(छ) सिवाणची-मालाणी क्षेत्र की यात्रा में महाश्रमण मुनि ने किन-किन क्षेत्रों का स्पर्श किया?  
(ज) 'यात्रा एक दर्पण है' यह कथन किसने कहा?  
(झ) महाश्रमण पर्याय की प्रथम स्वतंत्र यात्रा कितने दिनों की व कहाँ की थी?
- प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए— 5
- (क) सरदारशहर प्रवास में मुनि श्री सुमेरमल जी के साथ कितने संत थे? मोहन सबसे अधिक कौन से सन्त से प्रभावित हुआ था?  
(ख) 'श्रद्धास्वादो न खलुरसितो हरितं तेन जन्मं' इस पंक्ति का भावार्थ करें।  
(ग) महाश्रमणी साध्वीप्रमुखा जी ने आचार्य के प्राथमिक कर्तव्य कौन-कौन से बताये?  
(घ) गुरुदेव के महाप्रयाण के बाईस दिन बाद आचार्य महाप्रज्ञ ने क्या घोषणा की?

प्र. 7 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए—

18

- (क) 'गुरुदेव उपालंभ देंगे' घटना प्रसंग लिखें।
- (ख) सिद्ध करें कि आचार्य महाश्रमण प्राणवान व्यक्ति हैं।
- (ग) पदाभिषेक के अवसर पर आचार्य श्री महाश्रमण द्वारा प्रदत्त संबोधन का सार संक्षेप में लिखें।
- (घ) 'एक महत्त्वपूर्ण साहसिक निर्णय' घटना प्रसंग लिखें।

### तेरापंथ प्रबोध-10

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें—

10

- (क) रामचरण जी.....पक्षधार हो ।।
- (ख) आशीर्वाद रूप..... व्यापार हो ।।
- (ग) घणां सुहावो माता दीपांजी रा जाया! इस गीत वाला पद्य।
- (घ) मुहुरत बाद.....उदार हो ।।
- (ङ) आगम संपादन वाला पद्य।

### तुलसी प्रबोध-10

प्र. 9 कोई तीन पद्य लिखें—

10

- (क) डरूं-फरूं-सी.....भीतर-बा र हो ।।
- (ख) धवल समारोह वाला पद्य।
- (ग) निकाय व्यवस्था वाला पद्य।
- (घ) बो उणिहारो.....गरजार हो ।।
- (ङ) निमिष मात्र में.....सोमवार हो ।।